"सी–डाट" परियोजना का कार्यान्वयन

*255. कुमारी सईदा खातून :
श्री अजीत जोगी :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले दो वर्षों के दौरान "सी–डाट" परियोजना को कार्यान्वित करने में भारी रुकावटें आई हैं, तथा क्या इस महत्वपूर्ण परियोजना का कार्यान्वयन लगभग रुक सा गया है,

(ख) इस परियोजना को पूर्व निर्धारित तरीके से कार्यान्वित करने के सम्बन्ध में सरकार की क्या योजनाएं हैं, और

(ग) इस परियोजना के माध्यम से अब तक किन भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धि हुई है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार (श्री राजेश पायलट) : (क) यद्यपि सी–डाट परियोजनाएं लागू करने में कोई बड़ी रुकावटें नहीं आई फिर भी, प्रबन्धक वर्ग में परिवर्तन तथा अनुसंधान और विकास कार्य से संबंधित इंजीनियरों की बड़ी संख्या में अदला-बदली होने के कारण पिछले दो वर्षों में सी-डाट परियोजनाओं की प्रगति में कुछ गिरावट आई ।

(ख) सी-डाट के नये प्रबन्धकों ने परियोजनाओं की स्थिति की पुनरीक्षा की है और वर्ष 1991–1992 के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया है तथा इसे लागू करने के लिए सी-डाट की शासकीय परिषद से अनुमति भी प्राप्त कर ली है । यह कार्यक्रम डिजाइन और विकास की गति विधियों के लिए 1994-95 तक के लिए बनाया गया है ।

(ग) पिछले छः वर्षों के दौरान सी-डाट की महत्वपूर्ण उपलब्धियां इस प्रकार है :–

(i) तकनीकी, वैज्ञानिक और प्रबंधकीय मानव संसाधन भंडार सहित आधुनिक अनुसंधान और विकास की सुविधाओं की स्थापना ।

(ii) देश में उत्पादन अवसंरचना की स्थापना ।

(iii) दूरसंचार उद्योग के लिए स्वदेशी संघटक विक्रेताओं की स्थापना ।

(iv) निम्नलिखित के संबंध में कई विनिर्माताओं को प्रोद्यौगिकी अंतरित की गई है :–

128 पोर्ट 256 पोर्ट पी ए बी एक्स, 128 पोर्ट और 512 पोर्ट रैक्स तथा 10.000 लाइन मैक्स

(v) निम्नलिखित पारोषणा उत्पादों के लिए भी कई विनिर्माताओं को प्रोद्यौगिकी का अन्तरण किया गया है :–

2/15 शेयर्ड रेडियो

–8 एम बी एस और 34 एम दो एस, एम यू एस

(vi) निम्नलिखित के संबंध में प्रोद्यौगिकी अंतरण का कार्य शुरू किया गया है :–

10 सरणी परा उच्च आवृत्ति 600 मेगाहर्टज और 400 मेगा-हर्टज (एकल सरणी परा उच्च आवृत्ति ।

Performance of manager Telephone Nigam Ltd.

*256. SHRI B. K. HARIPRASAD:

DR. YELAMANCHILI SIVAJI;

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether there is a proposal under Government's consideration to wind up the M.T.N.L, as its performance is not commensurating with the increasingly high cost on tariffs and salary grades of the Senior Officers; and

(b) if so, what are the alternate arrangements Government propose to make and how Government would safeguard the interests of the employees of the Nigam?